सूरतगढ़ सिटी पुलिस थाने की हवालात में मर्डर के आरोपी ने सुसाइड किया

ओढ़ने के लिए दिए गए कंबल के किनारे लगी कपड़े की पट्टी से फांसी लगाई

सूरतगढ़, (निसं)। श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ सिटी पुलिस थाने की हवालात में बंद मर्डर के आरोपी ने सुसाइड कर लिया। ओढ़ने के लिए दिए गए कंबल के किनारे लगी कपड़े की पट्टी को पहले फाड़ा। फिर उसी का फंदा बनाया। युवक को बुधवार शाम गिरफ्तार किया गया था।

एएसपी रघुवीर सिंह ने बताया कि भोजेवाला गांव में 12 अगस्त की रात अशोक गोदारा (25) की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी गई थी। मामले में राजियासर थाना क्षेत्र के डीडवाना गांव निवासी नरेश कुमार (23) पुत्र पालाराम को बुधवार शाम करीब साढ़े छह बजे गिरफ्तार कर हवालात में डाला गया था। इस दौरान पुलिसकर्मी विक्रम गुर्जर नाइट ड्यूटी पर था। युवक को हवालात में ओढ़ ने के लिए कंबल दिया गया था। इसके कवर की पट्टी से उसने फंदा लगा लिया। पुलिसकर्मियों ने उसे फंदे से उतारने का प्रयास किया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद शव को सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में भेजा गया।

हवालात में नरेश के साथ 2 अन्य युवक भी बंद थे। ये दोनों युवक किसी और मामले में गिरफ्तार किए गए हैं। हवालात के सामने सीसीटीवी कैमरा भी लगा हुआ है। दरवाजे के पास ही सरिए का रोशनदान बना हुआ है। नरेश रात करीब 1:30 बजे उठा। इसके बाद नरेश ने ठंड से बचाव के लिए पुलिस की ओर से दिए गए कंबल के कवर को धीरे से उतारा और उसके एक किनारे को फाड़कर फंदा बनाया। रात 1:36 बजे फंदा लगाकर लटक गया। घटना के बाद सिटी थाना स्टाफ में अफरा-तफरी मच गई। श्रीगंगानगर कलेक्टर डॉ. मंजू सिटी थाना पहुंची। उनके साथ न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) देवेंद्र मीणा, एसडीएम संदीप कुमार काकड़, तहसीलदार कुलदीप कस्वां, एडिशनल एसपी रघुवीर शर्मा, डीएसपी प्रतीक मील, रणवीर साईं और रामेश्वर लाल ने मौका निरीक्षण किया।

- **गिरफ्तारी के सात घंटे बाद शव लटका मिला, हवालात में दो अन्य युवक भी बंद थे**

इस दौरान एफएसएल की टीम ने भी साक्ष्य जुटाए। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद विभिन्न पार्टियों से जुड़े लोग भी हॉस्पिटल पहुंच गए। इनमें कांग्रेस विधायक डूंगरराम गेदर, पीसीसी सदस्य परसराम भाटिया, भाजपा नेता संदीप कासनिया, पूर्व विधायक राजेंद्र भादू सहित बड़ी संख्या में गांव से आए ग्रामीण शामिल थे। हालात को देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने हॉस्पिटल परिसर और सिटी थाना में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।

नरेश कुमार के दादा मनीराम कुलडिया की ओर से सिटी थाना में मामला दर्ज करवाया गया। इसके बाद मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया गया। मामले की संवेदनशीलता और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राजियासर थाना अधिकारी सतीश कुमार यादव पुलिस टीम के साथ मृतक के पैतृक गांव डीडवाना पहुंचे। शाम को पुलिस की निगरानी में नरेश का अंतिम संस्कार किया गया। सूरतगढ़ के भोजेवाला गांव में 12 अगस्त की रात अशोक गोदारा की हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने उसे सूरतगढ़ ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया था, जहां से उसे श्रीगंगानगर रेफर किया गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। घटना के बाद गांव में तनाव था। ग्रामीणों ने शव को श्रीगंगानगर ले जाने का विरोध करते हुए सड़क जाम कर दी थी। पुलिस ने मामले में अशोक के मामा की शिकायत पर महेन्द्र सिंह, मनोहर सिंह, सुनील सिंह समेत 12 से ज्यादा लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

पुलिस ने दूसरे दिन मनोहर सिंह समेत कुछ आरोपियों को डिटेन कर लिया था। हत्याकांड में शामिल डीडवाना गांव के निवासी नरेश कुमार फरार था। पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। नरेश को बुधवार शाम करीब 6.30 बजे उसके गांव से ही गिरफ्तार कर हवालात में बंद कर दिया गया था। नरेश को पुलिस गुरुवार को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेने वाली थी।

बीकानेर में 18 घंटे में दो जवानों ने सुसाइड किया

बीएसएफ हेड कॉन्स्टेबल ने घर में फंदा लगाया, मौत

बीकानेर, (निसं)। जिले में 18 घंटे में दो जवानों ने सुसाइड कर लिया। गुरुवार दोपहर 12:30 बजे बीएसएफ के हेड कॉन्स्टेबल बंशीलाल सारस्वत (41) ने घर के बेसमेंट में रस्सी का फंदा लगाकर जान दे दी। 15 साल की नौकरी के बाद कुछ महीने पहले ही उन्हें गृह जिले में पोस्टिंग मिली थी। वहीं बुधवार शाम सात बजे महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में तैनात सेना के जवान संतोष पंवार (30) निवासी नासिक (महाराष्ट्र) ने अपने कमरे में फंदा लगा लिया था। साथी जवानों ने काफी देर तक उनके कमरे का दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब नहीं मिलने पर दरवाजा तोड़ा तो वह पंखे से लटके मिले। दोनों ही मामलों में पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

जयनारायण व्यास कॉलोनी थानाधिकारी सुरेंद्र पचार ने बताया कि शिवबाड़ी में जवान बंशीलाल सारस्वत के सुसाइड की सूचना मिली थी। उनका शव घर के बेसमेंट में पंखे से लटका था। मामले को लेकर बंशीलाल के छोटे भाई दामोदर ने बताया कि उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं थी। हमें कोई सुसाइड नोट नहीं मिला।

- **महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में तैनात जवान ने फंदा लगाया**

बंशीलाल के भाई दामोदर ने बताया कि बीएसएफ में 15 साल की नौकरी के दौरान बंशीलाल देश के अलग-अलग हिस्सों में रहे। कुछ महीने पहले ही उन्हें बीकानेर में स्थित रेंज मुख्यालय में पोस्टिंग मिली थी। इसी कारण बीएसएफ रेंज मुख्यालय से 1 किमी दूर स्थित शिवबाड़ी क्षेत्र में ही घर बना लिया था। बच्चों की पढ़ाई बीकानेर में ही हो रही है। ऐसे में वह अपने गांव हेमेरा कम ही आते थे। सिर्फ खास मौके पर ही गांव आते थे। जानकारी के अनुसार, बंशीलाल के सुसाइड का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। सुसाइड के वक्त उन्होंने शूज पहने हुए थे। खादी का मफलर पहना हुआ था।

उधर, महाजन फील्ड फायरिंग रेंज के नॉर्थ कैंप में तैनात संतोष पंवार नासिक (महाराष्ट्र) ने सुसाइड कर लिया था। सूचना के बाद सेना के अधिकारी मौके पर पहुंचे। संतोष पंवार की पोस्टिंग करीब 8 महीने पहले महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में हुई थी। बुधवार शाम वह कैंप से अपने कमरे में चले गए थे। काफी देर से कमरा बंद था। साथियों को शक हुआ तो कमरे के बाहर से आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। काफी देर तक दरवाजा भी खटखटाया, लेकिन जब गेट नहीं खोला वे उसे तोड़कर अंदर गए। कमरे में संतोष फंदे से लटके हुए मिले। सुसाइड की जानकारी मिलने के बाद महाजन पुलिस मौके पर पहुंची। सुसाइड के कारणों का अभी तक कोई खुलासा नहीं हो पाया है। जोधपुर के सीआरपीएफ ट्रेनिंग सेंटर में तैनात सब इंस्पेक्टर ने सुसाइड कर लिया। उनका शव बीएसएफ कैंप में एक पेड़ से लटका हुआ मिला। सब इंस्पेक्टर के बेटे ने आरोप लगाया है कि कैंप के अधिकारी काम को लेकर दबाव बनाते थे और तबीयत खराब होने के बाद भी 2 दिन से उन्हें घर नहीं जाने दिया।

मासी बांध व बगड़ी बांध की नहरों का निरीक्षण किया

पीपलू, (निसं)। मासी बांध व बगड़ी बांध की नहरों में सिंचाई के लिए करीब 17 दिनों से पानी छोड़ा हुआ है। गुरुवार को गुणवत्ता अधीक्षण अभियंता राधामोहन शर्मा, अधिशासी अभियंता देवानंद आनंद, सहायक अभियंता कानाराम गुर्जर व कनिष्ठ अभियंता मुकेश गुर्जर ने मासी बांध की मुख्य नहर व बगड़ी बांध की मुख्य नहर का निरीक्षण किया। इस दौरान नहरों से किसानों को पर्याप्त पानी मिल रहा था। किसानों ने उच्चाधिकारियों से क्षेत्र के अभियंताओं की मेहनत से टेल तक पानी पहुंचाये जाने के कार्यों की सराहना की। अधीक्षण अभियंता ने अभियंताओं को नहर संचालन को लेकर दिशा निर्देश दिए।

कनिष्ठ अभियंता मुकेश गुर्जर ने बताया कि मासी बांध की नहरों से मिल रहे पानी से किसानों को सिंचाई में काफी राहत मिल रही हैं। किसानों के खेतों में सिंचाई के बाद सरसों की फसल लहलहाने लगी है। 18 नवंबर को विधिवत पूजा-अर्चना के बाद मासी बांध की नहर तथा टेल क्षेत्र की 4 माइनर गहलोद, बिलायतीपुरा, इस्लामपुरा व किशनपुरा में पानी छोड़ा गया था। पानी छोड़े जाने के साथ ही किसान सिंचाई में जुट गए थे। वहीं 26 नवंबर को शेष बची 5 माइनर आजमपुरा, पीपलू, कचोलिया, लोहरवाड़ा व अलीमपुरा में भी पानी छोड़ा गया था। सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता कानाराम गुर्जर ने किसानों को जल का समुचित उपयोग करने की अपील की है।

रसद विभाग ने 65 अवैध सिलेंडर जप्त किए

दुकान से 16 सिलेंडर और दुकान के बाहर खड़े टेम्पो से 49 घरेलू सिलेंडर जप्त किए

कोटा, (निसं)। जिला रसद विभाग की टीम ने गुमानपुरा क्षेत्र में स्थित एक दुकान पर छापामार कार्रवाई कर 65 अवैध गैस सिलेंडर जप्त किए हैं, जिसमें से 6 सिलेंडर कमर्शियल थे। जप्त किए गए सिलेंडर में अधिकतर सिलेंडर एचपी कंपनी के हैं। गुमानपुरा इलाके में स्थित न्यू सूर्या एजेंसी सेल्स एंड सर्विस पर घरेलू गैस सिलेंडर द्वारा अवैध रूप से गैस रिफिलिंग की सूचना पर रसद विभाग टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया है। टीम ने कार्रवाई करते हुए न्यू सूर्या एजेंसी सेल्स एंड सर्विस की दुकान से 16 सिलेंडर बरामद किए हैं, जिसमें से 6 कमर्शियल सिलेंडर थे। टीम ने कार्रवाई को अंजाम देते हुए दुकान के बाहर खड़े टेंपो से भी भरे सिलेंडर जप्त किए हैं।

रसद विभाग की प्रवर्तन अधिकारी संध्या सिन्हा ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडर द्वारा अवैध रिफिलिंग की सूचना पर न्यू सूर्या एजेंसी सेल्स एंड सर्विस पर कार्रवाई करते हुए दुकान से 16 गैस सिलेंडर जप्त किए। जिसमें 6 सिलेंडर कमर्शियल निकले और 10 घरेलू सिलेंडर थे। दुकान सोनू मीणा के नाम से संचालित होना बताया जा रहा है। रसद विभाग प्रवर्तन अधिकारी संध्या सिन्हा ने बताया कि दुकान के बाहर गैस सिलेंडरों से भरा टेम्पो भी खड़ा था। कार्यवाही करते हुए टेम्पो से 49 घरेलू सिलेंडर जप्त किए हैं। साथ ही छोटे गैस सिलेंडर भरने के लिए रिफिलिंग मशीन, एक कांटा मशीन और उपकरण को जप्त किया है। कार्यवाही के दौरान रसद विभाग की अधिकारी अदिति, इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार यादव, सत्येंद्र शर्मा मौके पर मौजूद थे।

बताया जा रहा है कि दुकान कांग्रेस की वार्ड नंबर 22 की पार्षद सुमन पेशवानी के आवास में बनी हुई है। जिन्होंने दुकान किराए पर सोनू मीणा को दी हुई थी। मौके पर मौजूद वार्ड पार्षद सुमन पेशवानी ने टीम से कार्यवाही को लेकर बात की। वहीं नगर निगम कोटा दक्षिण के उप महापौर पवन मीणा भी मौके पर पहुंचे। रसद विभाग के इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मकान मालिक से दुकान किराए पर देने का किरायानामा मांगा गया था, लेकिन उन्होंने फिलहाल उपलब्ध नहीं करवाया है। इसी प्रकार दुकान संचालित करने वाले सोनू मीणा से एजेंसी के मालिकाना हक के दस्तावेज भी मांगे गए, लेकिन उन्होंने भी कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं करवाए हैं। इतनी बड़ी संख्या में गैस सिलेंडर कहां से प्राप्त हुए इस पर भी सोनू मीणा ने कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया है। जप्त किए गए सिलेंडर में अधिकतर सिलेंडर एचपी कंपनी के हैं। हमने टेंपो के विषय पर जानकारी चाहिए तो सोनू मीणा ने टेंपो खुद का होना बताया है। मामले में संपूर्ण अनुसंधान किया जाएगा।

स्कूल में शिक्षकों की कमी

अचरोल, (निसं)। अचरोल गांव के राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षकों की कमी के कारण ग्रामीणों में गहरा आक्रोश देखने को मिल रहा है। ग्रामीणों ने गुरुवार को विद्यालय पर ताला जड़कर अपना रोष प्रकट किया और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की।

अचरोल और आसपास के गांवों के बच्चों के लिए यह स्कूल शिक्षा का प्रमुख स्त्रोत है, लेकिन विद्यालय में पर्याप्त शिक्षकों का न होना बच्चों की पढ़ाई पर बुरा असर डाल रहा है। विज्ञान, और अंग्रेजी जैसे महत्वपूर्ण विषयों के लिए शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। इन विषयों में पढ़ाई के लिए बच्चों को प्राइवेट ट्यूशन का सहारा लेना पड़ता है, जो आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीण परिवारों के लिए कठिन है। गांव के बुजुर्गों, युवाओं और महिलाओं ने मिलकर स्कूल पर ताला लगाकर प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रशासन और शिक्षा विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी ग्रामीणों का कहना है कि जब तक स्कूल में सभी विषयों के लिए शिक्षक नियुक्त नहीं किए जाते, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

इस सम्बंध में सीबीईओ सुरेश कुमार राय का कहना है कि प्रदर्शन की सूचना मिलते ही स्थानीय ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की। सीबीईओ ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्या को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा और जल्द से जल्द शिक्षकों की नियुक्ति का प्रयास किया जाएगा।

शमशान भूमि के अभाव में शव की अंतिम क्रिया के लिए लोग परेशान

बयाना/भरतपुर, (निसं)। उपखंड की ग्राम पंचायत वीरमपुरा के गांव सेवा कुरवरिया में शमशान भूमि के अभाव में ग्रामीणों को शवों के अंतिम क्रिया कर्म के लिए भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा ही गुरूवार को हुआ जहां एक बुजुर्ग महिला की मौत के बाद अंतिम क्रिया कर्म के इंतजार में उसका शव दो दिनों तक रखा रहा।

बुधवार देर रात्रि को गांव निवासी सत्तर वर्षीय बुजुर्ग महिला गंगा देवी पत्नी धनीराम कोली का निधन हो गया था। जिसका शमशान भूमि के अभाव में गुरूवार को दोपहर तीन बजे बाद उसी के घर के बगल में खाली पड़े उसके एक आवासीय प्लॉट में अंतिम क्रिया कर्म किया जा सका। सूचना पर संबंधित पटवारी भी मौके पर पहुंचा और उसने

बुजुर्ग महिला का शमशान भूमि के अभाव में घर के बगल में खाली पड़े आवासीय प्लॉट में अंतिम क्रिया कर्म किया जा सका।

पास के गांव नगला बहादुरिया के शमशान में अंतिम क्रिया कर्म करने का सुझाव दिया। जिसे ग्रामीणों ने खारिज करते हुए शमशान भूमि आवंटन की मांग की। ग्रामीणों ने भी बताया कि पहले भी कई बार ऐसे मौके आए हैं जब गांव में शमशान भूमि के अभाव में दो-दो दिनों तक अंतिम क्रिया कर्म के लिए शव रख रहे थे। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार इस क्षेत्र के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से शमशान भूमि के लिए भूमि आवंटन की मांग की गई है किंतु अभी तक कोई सुनवाई नहीं हो सकी है गांव में स्थित सरकारी भूमि पर भी कई लोगों ने कब्जे कर रखे बताए हैं।

- **शमशान भूमि के अभाव में अंतिम क्रिया के लिए घंटे तक करना पड़ा इंतजार**

नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

नोखा, (निसं)। पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले के संबंध में हाईकोर्ट मे हैबियस कॉर्पस दायर थी। कार्यवाहक थानाधिकारी अमित स्वामी ने बताया कि 12 अक्टूबर को परिवादी ने मुकदमा दर्ज करवाया कि 17 साल की बेटी को लालचन्द उर्फ रामदयाल कुम्हार बहला फुसलाकर ले गया है।

पुलिस ने मामले की गंम्भीरता को देखते हुए टीम का गठन कर अपहृत बालिका व आरोपी लालचंद की तलाश के लिए टीम गठित की। पुलिस टीम ने अपहृत बालिका को दस्तयाब कर बालिका सुधार गृह भिजवाया व आरोपी रामदयाल उर्फ लालचन्द कुम्हार को नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है।

शादी समारोह से जेवर व नकदी का बैग चुराने वाली गैंग पकड़ी

ब्यावर, (निसं)। गार्डन में शादी के कार्यक्रम से ज्वैलरी व नकदी चुराने वाली गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गार्डन से लेकर ब्यावर, अजमेर, सरवाड, कोटा, कुन्हाडी, आगरा (उत्तरप्रदेश), ग्वालियर, राजगढ, गुना (मध्यप्रदेश) तक कुल 400 सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। फोटोग्राफ व वीडियो रिकोर्ड का बारीकी से विश्लेषण करने से संदिग्धों की पहचान करने में आखिर सफलता मिली। उत्तरप्रदेश, राजस्थान व मध्यप्रदेश राज्यों से पुलिस टीम ने संदिग्धों की पहचान हेतु अहम सुराग प्राप्त किये।

जानकारी के अनुसार नवम्बर को प्रार्थी सुरेश वैष्णव निवासी फारसी कॉलोनी ने एक रिपोर्ट दर्ज करवाई की 21नवंबर को अपने परिवार के साथ गार्डन अपने भांजे की शादी मे मायरा (भात) भरने गये। उस समय मेरे बैग में तीन लाख पिच्यासी हजार नकद व मायरे के लिए खरीदे 6 तोला सोने के आभुषण और मेरी पत्नी के 15 तोला सोने के आभुषण थे। सुरक्षा के लिहाज से पत्नी के गहने भी बैग में मेरे पास थे। गार्डन में हल्दी का प्रोग्राम चल रहा था मात्र 10 सैकेण्ड के लिए मैंने अपना बैग रखा और वापस मुडकर देखने पर अज्ञात चोर बैग मय आभुषण व नकदी सहित चोरी कर ले गये। मामले की गंभीरता देखते हुए पुलिस ने तुरंत कार्यवाही शुरू कर दी। जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा रोहूराम उप निरीक्षक पुलिस थाना ब्यावर सिटी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।पुलिस टीम को आगरा भेजी जाकर वाहन मालिक को डिटेन करने पर जानकारी मिली की उक्त वाहन को वर्ष 2022 में कडिया निवासी रीतिक सांसी को बेचान करना पाया गया। जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस अधीक्षक राजगढ़ मध्यप्रदेश से वार्ता कर पुलिस जाप्ता लिया गया। पुलिस टीमों द्वारा कडिया गांव में गोपनीय तरिके से जानकारी कर एवं दबिश देकर घटना में शरीक आरोपियों को नामजद किया गया। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों की पहचान कर उनके निवास स्थान पर बार-बार दबिशे देकर आरोपियों को नामजद कर चोरी गये आभुषण व नगदी की बरामदगी की। घटना में नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु पुन: पुलिस टीम भेजी जायेगी। नामजद आरोपियों में रीतिक पुत्र महेश सांसी निवासी कडिया, बॉबी पुत्र दिनेश सांसी निवासी मुगावली, काला पुत्र जग्गा सांसी निवासी कडिया, अशोक लंगडा पुत्र बलवीर सांसी निवासी कडिया आदि थे।

बिजली बिल से परेशान डॉक्टर ने कलेक्टर से इच्छा मृत्यु मांगी

डॉक्टर ने बिजली विभाग के एईएन, जेईएन और लाइनमैन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए

झुंझुनूं, (निसं)। सोलर पैनल लगाने के बावजूद हर महीने करीब 30 हजार रूपए के बिजली के बिल से परेशान झुंझुनूं के डॉक्टर ने जिला कलेक्टर से इच्छा मृत्यु मांग ली। कलेक्टर को बुधवार को लिखे पत्र में डॉक्टर ने बिजली विभाग के एईएन, जेईएन और लाइनमैन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए और लिखा कि मैं मानसिक रूप से प्रताड़ित हो चुका हूं। मुझे इच्छा मृत्यु की इजाजत प्रदान करें। मामला झुंझुनूं जिले के वार्ड नंबर एक का है। यहां लिटिल पब्लिक स्कूल के पास रहने वाले फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. मनीष कुमार सैनी के घर का बिजली का कनेक्शन उनकी पत्नी मनीषा सैनी के नाम है। लेटर सामने आने के बाद विभाग ने गलती मानते हुए गुरूवार को मामले में जांच के आदेश दिए हैं।

डॉ. मनीष कुमार सैनी ने बताया कि उन्होने सरकारी योजना के तहत 5 महीने पहले 10 के.वी. का सोलर पैनल लगाया था। घर पर वे और उनकी पत्नी ही रहते हैं। बिजली विभाग की ओर से लगातार भारी भरकम बिल भेजा रहा है। पिछले 4 महीने में कई बार विभाग को भी अवगत करवा दिया गया है। एप्लीकेशन भी दे दी है, लेकिन विभाग द्वारा मामले पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। भ्रष्टाचार से लिप्त ये कर्मचारी जेईएन और लाइनमैन आम आदमी को तवज्जो नहीं देते। अभी तो मुझे डराते हैं। ये कहते हैं कि हमारी सरकार है और हम तुम्हारा कनेक्शन कटवा देंगे। इस तरीके की मुझे धमकी दी जा रही है। आपसे निवेदन है कि मुझे इच्छा मृत्यु की इजाजत दें, ताकि मैं इस मानसिक रूप से प्रताडना से बच सकूं। लेटर में उन्होंने लिखा, मेरी मौत के जिम्मेदार राजस्थान सरकार, ऊर्जा मंत्री और झुंझुनूं के सभी बिजली बोर्ड कर्मचारी होंगे।

- **सोलर पैनल लगाने के बावजूद हर महीने करीब 30 हजार रूपए के बिजली के बिल से परेशान हैं झुंझुनूं के डॉक्टर मनीष कुमार सैनी**

4 माह में एक लाख का बिल:-

डॉ. मनीष कुमार सैनी ने बताया कि वे घर में ही फिजियोथेरेपिस्ट का क्लिनिक चलाते हैं। सोलर पैनल लगवाने के बावजूद जुलाई में 19,080, अगस्त में 19,797 और सितंबर में 31,224 रूपए का बिल विभाग द्वारा भेजा था। ये तीनों बिल मैंने जमा करवा दिए। इसके बाद नवंबर में 30,094 रूपए का बिल भेजा गया है। डॉ. सैनी ने बताया कि बिजली विभाग में तीन बार एप्लीकेशन दे चुका हूं। अधिकारी उसे फेंक देते हैं। कहते हैं कि ये तो बिल तो जमा ही करवाना पड़ेगा और भी पैसे लगेंगे। सैनी का आरोप है कि विभाग में रिश्वत का खेल चल रहा है। जो पैसे दे रहे हैं, उनका काम हो रहा है। हताश होकर उन्हें यह कदम उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा की मैं महीने के 20 से 25 हजार रूपए कमाता हूं। इतना भारी-भरकम बिल भरने में सक्षम नहीं हूं।

मामले को लेकर बिजली विभाग के सुपरिटेंडेंट इंजीनियर (एसई) महेश टीबडा ने बताया कि डॉ. मनीष कुमार सैनी ने पहले लोड बढ़वाया। उन्होंने सिंगल से थ्री फेस करवाया। सितंबर में लोड बढ़वाया था। यह सब उसकी बिलिंग है। वह जेईएन के पास नहीं गए या रिपोर्ट नहीं हुई। यह सब जांच का विषय है। हमने इसके लिए एग्जीक्यूटिव इंजीनियर (एक्सईएन)को लिख दिया है। इसमें किसी न किसी कर्मचारी की लापरवाही है। जांच करवा रहे हैं। गुरूवार को ही उनकी मीटर की रीडिंग में सुधार किया गया है।

प्राचीन भारतीय ज्ञान की धरोहर को जन-जन तक सुलभ कराएं : राज्यपाल बागड़े

"आयुर्वेदिक औषधि मानकीकरण-चुनौतियां और समाधान" विषयक संगोष्ठी आयोजित

जोधपुर, (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि आयुर्वेद के भारतीय ज्ञान को युगानुकूल बनाते हुए इससे जुड़ी दुर्लभ औषधियों का पेटेंट, प्रमाणीकरण और इससे जुड़े स्वास्थ्यवर्धक गुणों का अधिकाधिक प्रसार किया जाए। उन्होंने आयुर्वेदिक औषधियों पर शोध और अनुसंधान को बढ़ावा देने के साथ असाध्य रोगों में भी इनके उपयोग के परीक्षण और प्रसार की दिशा में कार्य करने आव्हान किया है। राज्यपाल बागड़े गुरुवार को जोधपुर में राष्ट्रीय आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "आयुर्वेदिक औषधि मानकीकरण-चुनौतियां और समाधान" विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि आयुर्वेदिक औषधियों की ब्रांडिंग और पैकेजिंग भी इस तरह से हो कि वह उपयोग के लिए आकर्षित करे। उन्होंने इनके विपणन की कारगर नीति पर भी कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल ने प्राचीन भारतीय आयुर्वेद ज्ञान की चर्चा करते हुए आत्रेय, चरक, सुश्रुत आदि द्वारा प्रवर्तित चिकित्सा प्रणालियों के उपयोग और संभावनाओं पर कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे आयुर्वेद के महान ज्ञान को सुनियोजित तरीके से देश से बाहर ले जाया गया। उस ज्ञान में कुछ हेर-फेर कर उसे अपना बनाने के प्रयास निरंतर हुए। इसलिए यह जरूरी है कि जो उपलब्ध ज्ञान हमारा है, आयुर्वेद की दुर्लभ औषधियां हैं उनके पेटेंट की दिशा में निरंतर कार्य हो।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में शिरकत की।

उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय में आयुर्वेद के महान ज्ञान से जुड़ी किताबों की चर्चा करते हुए कहा कि बख्तियार खिलजी ने देश के उस महान ज्ञान को सदा के लिए समाप्त करने के लिए नालंदा पुस्तकालय में आग लगा दी, पर भारतीय ज्ञान को कोई मिटा नहीं सका है। उन्होंने आयुर्वेदाचार्यों से आग्रह किया कि वे प्राचीन भारतीय ज्ञान की धरोहर को जन-जन तक सुलभ कराएं। उन्होंने औषधीय प्रयोजनों के लिए जड़ी-बूटियों के उपयोग और लिखित ठांथों के महत्व पर भी कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल ने इससे पहले विश्वविद्यालय के अंतर्गत बने होम्योपैथी महाविद्यालय के भवन का भी लोकार्पण किया।

- **राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने आयुर्वेदिक औषधियों पर शोध और अनुसंधान को बढ़ावा देने पर जोर दिया**

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने इस अवसर पर संबोधित करते कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान को विकसित और समृद्ध प्रदेश बनाना है। साथ ही प्रदेश सरकार राजस्थान के विश्वविद्यालयों के सर्वांगीण विकास के प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। पटेल ने कहा आयुर्वेद प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली है जो शरीर, मन और आत्मा का संतुलन बनाए रखने में सहायक है। आयुर्वेद रोगों की रोकथाम और व्याधि के उपचार के रूप में संपूर्ण विश्व में लोकप्रिय है। उन्होंने औषधीय पादप आक के आयुर्वेदिक गुणों के बारे जानकारी दी। पटेल ने कहा मार्च 2025 तक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में 52 हजार पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी, जिसमें आयुर्वेद विभाग के रिक्त पदों को भी भरा जाएगा। साथ ही इस वर्ष एक लाख एवं 5 वर्ष में 4 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की जाएगी।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वैद्य प्रदीप कुमार प्रजापति, कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल, पूर्व कुलपति प्रो. बी एल गौड़, उत्तराखंड विश्वद्यालय के वाइस चांसलर अरुण कुमार त्रिपाठी, गुजरात आयुर्वेद विश्विद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एस एस सावरीकर, एम्स जोधपुर के अध्यक्ष डॉ. एस एस अग्रवाल, प्रबंध मंडल के सदस्य, अन्य निकायों के सदस्य, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।